आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

# दैनिक भास्कर

कुल पृष्ठ 16+4+8 (निःशुल्क डीबी स्टार) • मूल्य ₹ 5.00

bhaskarhindi.com जबलपुर, शनिवार 16 मार्च, 2019 फाल्गुन, शुक्ल पक्ष- 10, 2075

JABALPUR SATURDAY, 16/03/2019

city भास्कर

1- सहायक ने गोली चलाई।
2- सामना करने तैयार जादूगर
3- गोली चलते ही जादूगर झटके से गिरे।
4- गोली को दाँतों तले दबा लिया।

## 12 बोर की बंदूक से चली गोली, जादूगर ने दाँतों में दबा ली!

**सिटी रिपोर्टर, जबलपुर** | 12 बोर की बंदूक से गोली चलती है, काँच की दीवार को भेदती हुई निकलती है। सामने थे जादूगर प्रिंस सिल। गोली चलते ही वह झटके से पीछे गिरे। लोगों को ऐसा लगा कि कुछ अनहोनी हो गई, लेकिन अगले ही पल एक चमत्कार हुआ। जादूगर प्रिंस के दाँतों में गोली दबी थी। उल्लेखनीय है कि यह कारनामा वह पहले भी कर चुके हैं। शुक्रवार को शहीद स्मारक प्रांगण में दर्शकों ने यह कारनामा देखा।

जादूगर प्रिंस ने बताया कि इससे पहले इस हैरतअंगेज कारनामे को अंजाम देने की कोशिश में 19 लोग जान गँवा चुके हैं। वह यह कारनामा सन् 1977 से कर रहे हैं।

**एक्सपर्ट ओपीनियन** | नेवी के रिटायर्ड कैप्टन सुनील कुमार भारद्वाज का कहना है कि एक सामान्य व्यक्ति के लिए दाँतों से तो क्या, शरीर के किसी भी हिस्से से बंदूक से चली गोली को रोक पाना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जादू की विधा अभ्यास और ट्रिक्स पर निर्भर है। इस एक्ट में या तो बहुत ज्यादा अभ्यास किया गया है, या कोई ट्रिक भी हो सकती है। काँच का प्रयोग गोली की स्पीड कम करने के लिए भी हो सकता है या बंदूक में भी मोडिफिकेशन संभव है। अंततः सच्चाई क्या है, यह तो जादूगर के मन में है।